

Fourth ADVISORY 2023 for the management of apple diseases

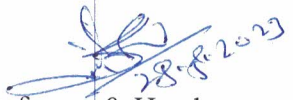
Department of Plant Pathology

Dr. YS Parmar University of Horticulture and Forestry Nauni, Solan-Himachal Pradesh

On the basis of periodical field surveys conducted by the scientists of the Department of Plant Pathology, visible symptoms of foliar diseases viz. Alternaria leaf blight and Marssonina leaf blotch has been recorded in the districts of Himachal Pradesh. Keeping in view these observations, following advisory is issued to the farmers:

- As there were wide spread rains during this period, the epidemiological conditions were congenial for occurrence and spread of Marssonina leaf blotch and Alternaria leaf blight, the symptoms were observed in orchards of the state. The orchards where the diseases were prevailing, spray of fungicides are recommended as per spray schedule given by the Directorate of Horticulture and Dr. YS Parmar University of Horticulture and Forestry, Nauni Solan HP. Farmers should continuously monitor the status of this disease and need based application of metiram 55 % + pyraclostrobin 5 % WG (200 gm/ 200 L of water) **or** tebuconazole 8 % + captan 32 % SC (500 ml/ 200 L of water) **or** fluopyram 17.7 % w/w + tebuconazole 17.7 % w/w SC (126 ml/ 200 L of water) **or** dodine 40% SC (150 ml/ 200 L of water) or fluxapyroxad 250g/l + pyraclostrobin 250g/l 500SC (20ml/200L of water) or carbendazim 25% + flusilazole 12.5%SC (160ml/200L of water) is recommended.
- To prevent the development of apple scab or fly speck or bitter rot, farmers are advised to give pre harvest spray (20 - 25days before harvest) of captan (600gm / 200L of water).
- In those areas where harvesting have been completed, spray of copper oxychloride @ 600gm/200L should be done within 24 hours of harvesting to avoid the infection and spread of the different cankers due to the injuries caused to the plants.

Overall, focus should be directed on the management of Marssonina leaf blotch, Alternaria leaf blight, and the need-based applications of fungicides as mentioned in the spray schedule should be done. Other sprays mentioned in the spray schedule should be used specifically if the need arise. Farmers are also advised to report the symptoms of the diseases with photographs and queries, if any on hodmpp2014@gmail.com.


Professor & Head,
Department of Plant Pathology,
Dr. YS Parmar University (Solan)

सेब रोगों के प्रबंधन के लिए चौथी सलाह 2023

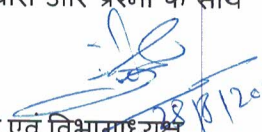
पादप रोग विज्ञान विभाग

डॉ. वाईएस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी, सोलन-हिमाचल प्रदेश

पादप रोग विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए आवधिक क्षेत्र सर्वेक्षणों के आधार पर, पर्ण रोगों के दृश्यमान लक्षण में हिमाचल प्रदेश के जिलों में अल्टरनेरिया लीफ ब्लाइट और मासॉनिना लीफ ब्लॉच दर्ज किया गया है। इन अवलोकनों को ध्यान में रखते हुए, किसानों को निम्नलिखित सलाह जारी की जाती है:

- चूँकि इस अवधि के दौरान व्यापक वर्षा हुई थी, मासॉनिना पत्ती धब्बा और अल्टरनेरिया पत्ती झुलसा रोग का विस्तार और महामारी प्रसार की स्थितियाँ अनुकूल थीं, जिसके लक्षण राज्य के बगीचों में देखे गए थे। जिन बागों में रोग व्याप्त थे, उनमें बागवानी निदेशालय और डॉ. वाई एस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी सोलन एच.पी. द्वारा दिए गए स्प्रे शेड्यूल के अनुसार फफूंदनाशकों के छिड़काव की सिफारिश की जाती है। किसानों को इस रोग की स्थिति पर लगातार निगरानी तथा आवश्यकता आधारित मेटिरम 55% + पायराक्लोस्ट्रोबिन 5% डब्लूजी (200 ग्राम/200 लीटर पानी) या टेबुकोनाज़ोल 8% + कैप्टान 32% एससी (500 मिली/200 लीटर पानी) और फ्लुओपाइरम 17.7% डब्लू/डब्लू + टेबुकोनाज़ोल 17.7% डब्लू/डब्लू एससी (126 मिली/200 लीटर पानी) और डोडीन 40% एससी (150 मिली/200 लीटर पानी) या फ्लक्सपायरोक्सैड 250 ग्राम/लीटर + पायराक्लोस्ट्रोबिन 250 ग्राम/लीटर 500एससी (20 मिली/200 लीटर पानी) या कार्बेन्डाजिम 25% + फ्लुसिलाजोल 12.5% एससी (160 मिली/200L पानी) की अनुशंसा की जाती है।
- सेब की पपड़ी या फलाई स्पेक या कड़वे सड़न के विकास को रोकने के लिए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे तुड़ाई से पहले स्प्रे (तुड़ाई से 20 - 25 दिन पहले) कैप्टान (600 ग्राम / 200 लीटर पानी) स्प्रे की अनुशंसा की जाती है।
- उन क्षेत्रों में जहां तुड़ाई पूरी हो चुकी है, पौधों को होने वाली चोटों के कारण संक्रमण और विभिन्न तरह के कैंकर के प्रसार से बचने के लिए तुड़ाई के 24 घंटे के भीतर कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @ 600 ग्राम/200 लीटर का छिड़काव किया जाना चाहिए।

कुल मिलाकर, मासॉनिना लीफ ब्लॉच, अल्टरनेरिया लीफ ब्लाइट के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, और स्प्रे शेड्यूल में उल्लिखित कवकनाशी के आवश्यकता आधारित अनुप्रयोगों को किया जाना चाहिए। स्प्रे शेड्यूल में उल्लिखित अन्य स्प्रे का विशेष रूप से उपयोग किया जाना चाहिए यदि आवश्यकता हो। किसानों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे बीमारियों के लक्षणों की जानकारी तस्वीरों और प्रश्नों के साथ hodmpp2014@gmail.com पर दें।


28/8/2023
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
Professor S. Inad,
Department of Plant Pathology,
CCYS, Solan, Himachal Pradesh (India)